सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Hindustan **Date: 28 Apr. 2015**

Edition: Lucknow **Page: HT Live - I**

सिफ्सा की ओर से चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला 'लोकगीतों में बेटी' सोमवार से शुरू हुई। इसके तहत लोकगीतों के माध्यम से लोगों को कन्या भ्रूण हत्या, बेटी बचाओ, बेमेल विवाह, लैंगिक अनुपात पर जागरूक किया जाएगा। बीएनए के थ्रस्ट थिएटर में कलाकारों ने सोहर, बन्नी, गौना, कव्वाली आदि की प्रस्तुति दी। ● खबर पेज-23

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Times of India **Date: 28 Apr. 2015**

Edition: Lucknow **Page: 04**

units at 5, Kalidas Marg.

Akanksha Samiti chairperson Surbhi Ranjan at National Health Mission's programme to create awareness about foeticide

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Times of India **Date: 29 Apr. 2015**

Edition: Lucknow **Page: 02**

Folk songs remixed for girl child's welcome

Uzma Talha | TNN

Lucknow: Challenging the Indian patriarchal society in rural areas of Uttar Pradesh where welcome songs are sung only on birth of a baby boy, 20 professional folk singing troupes from across the state are raising awareness about gender issues, through a workshop where folk songs have been re-written especially for the girl child.

It is through an ongoing 4-day workshop titled 'Lok Geeton Mei Beti', organised by State Innovations in Family Planning Services Project Agency that '*Sohar*' and '*Badhaai*' songs like '*Janmi hai bitiya hamaar, saheliya mangal gao*', '*Meri beti badi sayani phoolon ki khushbu si hai*' are being taught to participants to sensitize masses on issues like female foeticide and child marriage.

V Sunil

FOR A CHANGE: The ongoing workshop at BNA

Under the project girl child issues have been woven beautifully into 10 popular folk songs of UP which are usually sung for baby boys. These will be performed later covering 36 districts with lowest sex ratio. These singing folk troupes undergoing training in the city at Bhartendu Natya Academy are registered at state information department.

"Rapidly decreasing sex ratio is threatening to create severe gender imbalance and disturb the social fabric, so it is imperative to make masses aware about the issue through various interactive techniques, folk music being one," said, Preeti Gupta, consultant, IEC, SIFPSA.

As per 2011 census, highly vulnerable districts of UP showing lowest sex ratio include, Banda, Chitrakoot, Shajhanpur, Kashiram Nagar/Kasganj, Jalaun, Hamirpur, Etah, Ghazipur and Ballia.

"Accompanied with light music our songs highlight reasons for drop in sex ratio which includes, sex selective abortions, deaths due to child marriages, violence, etc," said folk singer Bhaiyya Lal Pal, Varanasi folk troupe, adding, "To improve child sex ratio, our target audience includes adolescents besides the elderly."

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Amar Ujala
Date: 28 Apr. 2015
Edition: Lucknow
Page: My City - VIII

सिफ्सा की ओर से बीएनए में शुरू हुई चार दिवसीय 'लोकगीतों में बेटी' पर कार्यशाला

'दस की कन्या साठ कै दूल्हा, कइसे सपरी...'

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। 'दस की कन्या साठ कै दूल्हा, कइसे सपरी...', 'अभी न बिटिया सयानी, गौना कराबा न रानी...', 'मेरी बन्नी बड़ी नादान सयानी हो जाने दो...', 'मैं भी हूं बेटी आपकी मुझ पर भी ध्यान दीजिए'। भ्रूण हत्या, बेमेल विवाह, बाल विवाह और बेटियों से जुड़े ऐसे ही गंभीर मुद्दों पर आधारित करीब 12 लोकगीतों से सोमवार को बीएनए का थ्रस्ट थियेटर गुलजार हुआ।

दरअसल, भारतेंदु नाट्य अकादमी (बीएनए) के थ्रस्ट थियेटर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सिफ्सा द्वारा 'लोकगीतों में बेटी' शीर्षक से चार दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। इसमें 20 सांस्कृतिक दलों केकरीब 80 कलाकारों को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसके बाद ये कलाकार प्रदेश के उन जिलों में लोकगीतों के जरिए बेटियों को बचाने के लिए लोगों को जागरुक करेंगे, जहां लिंगानुपात कम है। सिफ्सा में परामर्शदाता, आईईसी प्रीती गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के ऐसे 30 जिलों को चिन्हित किया गया है और 12 लोकगीत तैयार करवाए गए हैं। इन गीतों को गायिका कमला श्रीवास्तव, इतिहासकार योगेश प्रवीण व गायिका विमल पंत ने लिखा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायकों ने 'ओस में भीगे रे बारात...', सुभद्राकुमारी चौहान की लिखी 'मैं बचपन को भुला रही थी, बोल उठी बिटिया मेरी...', 'अंगनइया मा खेले मेरी बिटिया...', दादरा 'लागै न नजरिया, काला डिठौना लगाए महतारी...', कव्वाली 'मेरी बेटी बड़ी सयानी, फूलों की खुशबू सी है', 'मैं भी हूं बेटी आपकी, मुझ पर भी ध्यान दीजिए...' व 'पढ़ो जननी है...' गीतों को भी प्रस्तुत किया। खूबसूरत ग्रामीण परिवेश में सजे मंच पर अरुणा, आशा, दीक्षा, इंद्रा, जयति, मंजू, मीतू, मधु, मीना, मनीषा, नीरा, प्रियंका पाण्डे, पूजा, रीता, रिचा, रत्ना, श्याम, सरोजिनी, वीना, सरोजिनी सक्सेना ने गायन किया। जबकि गीतों पर मनमोहक नृत्य कीर्ति गुप्ता व दीक्षा पाण्डेय ने प्रस्तुत किया। वाद्ययंत्रों पर दीपेंद्र, मीनू बाजपेयी, राजेंद्र कुमार त्रिवेदी व सोमनाथ चौरसिया ने संगत की। कार्यक्रम का संचालन प्रीति गुप्ता व सुनील कांत मिश्र ने किया।

गोमतीनगर भारतेंदु नाट्य अकादमी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित लोकगीतों की कार्यशाला में भाग लेती महिलाएं और मौजूद सुरभि रंजन व आईएएस अमित घोष।

'हर गांव में भेजिए कलाकारों को'

मुख्य अतिथि सुरभि रंजन ने कहा कि कार्यशाला से प्रशिक्षित होकर निकलने वाले कलाकारों को प्रदेश के सिर्फ 30 जिलों में ही क्यों भेजा जाएगा। बल्कि इन्हें तो प्रदेश के हर गांव में बेटियों को बचाने व भ्रूण हत्या बंद करने का संदेश पहुंचाने के लिए भेजा जाए। इसके लिए जरूरत पड़ी तो जिलों के डीएम से बातचीत करूंगी। इस अवसर पर उन्होंने कलाकारों की डिमांड पर 'मेरे घर आई एक नन्ही परी...' गीत सुनाया।

इन जिलों में जाएंगी टीमें

मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, एटा, कासगंज, हाथरस, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, बदायूं, शाहजहांपुर, फिरोजाबाद, कानपुर देहात-रमाबाईनगर, कानपुर नगर, औरैया, इटावा, हरदोई, श्रावस्ती, झांसी, जालौन, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, बिजनौर व मुजफ्फरनगर के गांवों में टीम जागरुकता फैलाने के लिए जाएगी।

सिफप्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Rashtiya Sahara
Date: 28 Apr. 2015
Edition: Lucknow
Page: 2

बेटे और बेटी में भेद मत कीजिए : सुरभि रंजन

गोमतीनगर स्थित भारतेंदु नाट्य अकादमी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम 'लोक गीतों में बेटी' में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करतीं आकांक्षा समिति की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुरभि रंजन। इस अवसर पर गीत प्रस्तुत करतीं महिलाएं। फोटो : एसएनबी

लखनऊ (एसएनबी)। आकांक्षा समिति की प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती सुरभि रंजन ने कहा कि प्रदेश में कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए एवं बेटी बचाओ अभियान कार्यक्रमों में आकांक्षा समिति पूरा सहयोग करेगी।

उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर गठित आकांक्षा समिति की सदस्यायें कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराकर योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लायें। उन्होंने कहा कि समाज में बेटियां होंगी, तो समाज एवं देश का और अधिक विकास होगा। एक बालिका शिक्षित होने पर पूरे परिवार को आगे बढ़ाने में अपनी अहम भूमिका अदा करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय मे बालिकायें शिक्षा ग्रहण करने के बाद नौकरी में आने के बावजूद भी अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन भी करती हैं। उन्होंने कहा कि बालिकायें समाज के विकास हेतु नींव की पत्थर हैं।

■ कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए एवं बेटी बचाव कार्यक्रमों मे आकांक्षा समिति सहयोग करेगी

श्रीमती रंजन सोमवार को गोमतीनगर स्थित भारतेन्दु नाट्य अकादमी, गोमती नगर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में कन्या भ्रूण हत्या एवं लिंग भेद, बाल विवाह को समाप्त करने के लिये आयोजित कार्यक्रम 'लोक गीतों में बेटी' का दीप जलाने के बाद समारोह को सम्बोधित कर रही थीं।

श्रीमती रंजन ने कहा कि बेटे और बेटी में भेद मत कीजिये। कन्या भ्रूण हत्या सामाजिक अपराध है, बेटी को भी जन्म लेने का पूरा अधिकार है। बेटी के जन्म पर भी बेटे के जन्म के समान खुशियां मनाइये तथा उसका सम्पूर्ण टीकाकरण एवं पोषण करिये। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुये उनका विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही कीजिए। उन्होंने प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये।

18 महिलाओं ने सुनाए लोकगीत

लखनऊ (एसएनबी)। लोकगीतों में बेटी कार्यक्रम में राजधानी की 18 महिलाओं ने श्रीमती कमला श्रीवास्तव, श्रीमती विमला पंत व योगेश प्रवीन के निर्देशन में लोकगीत सुनाए। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती प्रीती श्रीवास्तव ने किया।